M.S.S. Academic Journey

2013-2019

Gleam Light

Madhyanchal Sociological Society

(Affiliated All India Sociological Society, New Delhi)

301, IIIrd Floor, Shri Sarthak Appartment, Near G.S. College, South Civil Lines, Jabalpur-482001 (M.P.)

Rajnigandha-8, Shilpi Upvan, Anantpur, Rewa 486 002 (M.P.)

Mob. : 9425386224, 9425184505. website - www.mss.in.net

मध्यांचल सोशियोलॉजिकल सोसायटी

अध्यक्ष

डॉ. महेश शुक्ला

प्राध्यापक

रजनीगंधा, 8, शिल्पी उपवन, अनंतपुर

रीवा (म.प्र.) 486 002. मोबा.: 9425184505

ईमेल : msociology@rediffmail.com

सचिव

डॉ. ध्रुव कुमार दीक्षित

प्राध्यापक

301, तृतीय तल, श्री सार्थक अपार्टमेंट, जी.एस. कॉलेज के पास

साउथ सिविल लाईन्स, जबलपुर (म.प्र.) 482 002.

मोबा.: 9425386224

ईमेल : dixitdhruvdixit@gmail.com

मध्यांचल सोशियोलॉजिकल सोसायटी

मध्यांचल सोशियोलॉजिकल सोसायटी समाज विज्ञान की एक नवोदित संस्था है। समाजशास्त्रियों द्वारा गठित बहु अनुशासित इस संस्था का गठन 2013 में किया गया था ।

एम.एस.एस. की आधारशिला देश के प्रख्यात समाजशास्त्री प्रोफेसर ईश्वर सिंह चौहान, पूर्व राजनयिक फिजी एवं पूर्व कुलपति बरकत उल्ला वि.वि. भोपाल, प्रोफेसर डी.एस. बघेल, रीवा ने रखी है। प्रोफेसर आर.के. गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष, समाजशास्त्र, रा.दु.वि.वि., जबलपुर एवं पूर्व निर्देशक सुलभ इंटरनेशनल, दिल्ली, प्रख्यात समाजशास्त्री प्रोफेसर अरविंद जोशी, समाजशास्त्र विभाग, बनारस हिन्दु वि.वि., वाराणसी, प्रोफेसर आनंद कुमार, पूर्व अध्यक्ष, ऑल इंडिया सोशियोलॉजिकल सोसायटी, नई दिल्ली एवं सेवानिवृत्त प्राध्यापक समाजशास्त्र जे.एन.यु. दिल्ली, डॉ. बी.के.नागला, रोहतक के मार्गदर्शन में विगत पाँच वर्षों से अन्वेषण की निरंकुश भावना के साथ समाजविज्ञान के क्षेत्र में निरंतर अपनी विकास यात्रा के साथ अग्रसर है।

दृष्टि

मध्यांचल सोशियोलॉजिकल सोसायटी की दृष्टि गत्यात्मक समतुल्यता के साथ समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्रीय पर्यावरण प्रयास से निरंतर समाज विज्ञान में उत्कृष्ट शोध, बौद्धिक निवेश, मूल्यात्मक संसाधनों को समाज में प्रतिस्थापित करते हुये राष्ट्र विकास में योगदान कर रही है । एम.एस.एस. का मूल उद्देश्य समाजशास्त्र को समसामयिक मुद्दों का समाधान करते हुये समाजशास्त्रीय सिद्धांतों का वर्धन करते हुये समाज के लिये नीति निर्माण की दिशा में अग्रसर होना है ।

मुख्य क्षेत्र

मध्यांचल सोशियोलॉजीकल सोसायटी की प्राथमिकता ही है ज्ञान का उत्पादन करते हुये उसका सामाजिक रुपांतरण करना, जिससे समाज में व्याप्त व्याधियों के निराकरण के साथ ही शासन के विकेन्द्रीकरण, सामाजिक न्याय, जनजातिय और पिछड़े समाज को आधुनिक विश्व की मुख्य धारा में जोड़ते हुये गरीबी, बेरोजगारी, ग्रामीण विकास, महिला, सशक्तिकरण के क्षेत्र में नीतियों का निर्माण करते हुये कौशल संवर्धन करना है । कौशल क्षमता संवर्धन के साथ एम.एस.एस. निम्नांकित मुख्य क्षेत्रों में कार्यरत है :–

- जनजातिय एवं ग्रामीण समाज
- युवा, महिला एवं वृद्ध
- सामाजिक व्याधियाँ – नशा, बालश्रम, आत्महत्या तलाक, अपराध, दलित, कृषक
- पर्यटन, खेल, संचार, तकनीक, स्वच्छता
- शिक्षा, राजनीति, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक नवाचार

उद्देश्य

- समाजशास्त्र विषय का विस्तार करना।
- समाजशास्त्र एवं अंतर विषयक समाज विज्ञान के क्षेत्र में शोधात्मक गतिविधियों की दृष्टि हेतु समय–समय पर राष्ट्रीय, अंतर राष्ट्रीय संगोष्ठी, कार्यशाला, कांफ्रेन्स आयोजित करना।
- कुप्रथाओं, अंध विश्वासों के उन्मूलन के लिये सामाजिक गतिविधियों का आयोजन करना।
- समाज हेतु बौद्धिक गतिविधियाँ आयोजित करना।
- राष्ट्र निर्माण में सहभागिता हेतु समान विचार धाराओं वाली, राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ समन्वयीकरण/समन्वयन स्थापित करना।
- समाजशास्त्र विषय स्कूली शिक्षा में सम्मिलित करने के लिये शासन को सूचित करना।
- सामाजिक पुर्ननिर्माण हेतु शासन का योगदान करना।
- नागरिक अधिकारों के लिये सरकार की मदद करना।

गतिविधियाँ

मध्यांचल सोशियोलॉजिकल सोसायटी योजनाकारों अकादमिक, शासन, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थियों, शासकीय प्रतिनिधियों की आवश्यकताओं के लिये समाज विज्ञान के क्षेत्र में कार्य करने वाली अकादमिक, बौद्धिक विमर्श एवं शोध करने वाली समाजविज्ञान की समिति है । यह प्रख्यात अखिल भारतीय समाजशास्त्र परिषद, दिल्ली की सम्बद्ध क्षेत्रीय इकाई के रुप में सामाजिक मुद्‌दों का निराकरण और उनका समाधान कर रही है ।

एम.एस.एस. निरंतर समकालीन समाज के मुद्‌दों पर संगोष्ठी, कांफ्रेंस और वैचारिक विमर्श आयोजित करती है । अपनी स्थापनाकाल से आज तक की अल्प अवधि में एम.एस.एस. ने निम्नांकित मुद्‌दों पर सशक्त और प्रभावशाली आवाज उठाते हुये बौद्धिक विमर्श किये हैं :–

- समाजशास्त्र और भाषा – 14 सितंबर 2013, जबलपुर
- भारत की सामाजिक चुनौतियाँ – 26 अक्टूबर 2014, रीवा
- भारत की सामाजिक चुनौतियाँ – 14–15 मार्च 2015, रीवा
- विंध्य वैभव एवं पर्यटन (संभावनायें एवं चुनौतियाँ) – 4–5 नवम्बर 2015, रीवा
- साईन्स टेक्नोलॉजी सोसायटी – 21–22 दिसम्बर 2015, इंदौर
- आर्थिक सुधारों का प्रस्ताव एवं अर्थ क्रांति – 07 फरवरी 2016, ग्वालियर
- समकालीन भारत में जनजातीय समाज की चुनौतियाँ – 27–28 फरवरी 2016, बुढ़ार, शहडोल
- भारतीय युवा : दशा एवं दिशा – 30 अप्रैल–01 मई 2016, जबलपुर
- साईंस टेक्नोलॉजी एंड सोसायटी – 11–12 जनवरी 2019 इंदौर
- भारत में बढ़ता सामाजिक–सांस्कृतिक क्षरण 10 – 11 मार्च 2019, जबलपुर

जीवन उपलब्धि सम्मान

प्रोफेसर श्यामा चरण दुबे,
फैलोशिप अवार्ड प्रदत्त समाजशास्त्रीय
विभूतियाँ

- डॉ. आई.एस. चौहान,
  भोपाल – 2015, रीवा

- डॉ. डी.एस. बघेल,
  रीवा – 2015, रीवा

- डॉ. आर.के. गुप्ता,
  जबलपुर – 2016, जबलपुर

- डॉ. ए.डी. पाटिल,
  इंदौर – 2016, जबलपुर

निधीयन

यह संस्था आजीवन सदस्यों शासकीय, अशासकीय एजेंसियों के आर्थिक सहयोग से संचालित की जा रही है।

अभिशासन

मध्यांचल सोशियोलॉजिकल सोसायटी सामान्य सभा, शोध और अकादमिक समिति, प्रशासनिक समिति, प्रकाशन समिति द्वारा शासित एक स्वयंसेवी समिति है। जो रजिस्ट्रार फर्म एंड सोसायटी द्वारा पंजीकृत है। शासी निकाय इसकी सर्वोच्च निर्णय की शासित ईकाई है।

शासी निकाय

- **डॉ. महेश शुक्ला, अध्यक्ष, रीवा**
- **डॉ. यशपाल व्यास, उपाध्यक्ष, इंदौर**
- **डॉ. विजय गंभीर, उपाध्यक्ष, ग्वालियर**
- **डॉ. ध्रुव कुमार दीक्षित, सचिव, जबलपुर**
- **डॉ. नीलम हिंगोरानी, सह सचिव, इंदौर**
- **डॉ. गजानन मिश्र, कोषपाल, करेली**
- **डॉ. सुरेश राय, सदस्य, सतना**
- **डॉ. विनोद रस्तोगी, सदस्य, सतना**
- **डॉ. जी.एल. तलवारे, सदस्य, सिवनी**
- **डॉ. दिनेश चंद्र खण्डेलवाल, सदस्य, उज्जैन**

At a FLASH

Madhyanchal Sociological Society is a new society of Social Science. The Multi Disciplinary Society was established by few Sociology Professor in 2013. And with in two years it came under the umbrella of the "All India Sociological Society, New Delhi", as a Regional Unit MSS was founded by the Eminent Social Scientists Professor Ishwar Singh Chohan Formar Ambassador of Fizi, Govt. of India & Ex. Vice Chancellor, Barkatullah University and M.P. Bhoj Open University, Bhopal, Professor R.K. Gupta Fromer Head Sociology R.D.V.V., Jabalpur and Ex. Director Sulabh International, New Delhi, Professor D.S. Baghel, Rewa, Preeminent Author Sociology Books, Professor Anand Kumar Former President of All India Sociological Society, New Delhi & retired Prof. of Sociology JNU Delhi, Professor B.K. Nagla, Elegance Professor of Sociology, Rohtak, Splendour Professor Arvind Kumar Joshi, Head of Sociology Deptt. BHU, Varanasi.

The M.S.S. is Continiously Running its own development Journey from the last 5 years with in unfettered spirit in sociology and social science.

The broad vision of Madhyanchal Sociological Society in dynamic equilibrium with Sociology, Political Science, Economic Environment with Excellent Intellectual Mainly Driven by Valuable Resources to contribute in "Nation's Development" Main Vision of MSS is to solve all contemporary issues of society MSS is cutting edge of Sociological Theory for Policy making of Indian Society.

Objectives of Establishment of MSS

Subject - MSS establish for these objectives

1. Expansion of Sociology Subject.
2. Time to Time organised National And International Seminar, Workshop, conference for increasing Research Activities for Sociology
3. Conduct the Social Activities for Abolition Custom / Superstition.
4. Establish Coordination to similar objectivities National and International institution for organised a programme to participate in action building.
6. Communicate Govt. for impliment sociology subject in School Level.
7. Contribute Govt. for Social Re-construction.
8. To Help the Govt. for Civil Rights.

Trust Area

Production of Knowledge that facilitates Social Transformation is the primary concern of MSS. MSS aim to abolish, all Social Pathology with decentralization of Governance, Social Justice and Bring Tribal & Backward Society to the main stream of modern world, MSS field action and Advocacy to remove poverty, unemployment and Develop the rural society, empower women, Peasant and older persons.

1. Tribal & Rural Society.
2. Youth, Women & Senior Citizen.
3. Social Pathology i.e. Alcholism, Child Labour, Suicide, Divorce, Crime, Dalit, Peasant Class.
4. Tourism, Sport, Media Technology, Cleanliness.
5. Education Politics, Economic, Psychological Innovation.

Activities

Madhyanchal Sociological Society fullfill needs of Planners, Academic, Governance, Teacher, Govt. Representative, Intellactual Discussion and Research of Social Science Association. It is involved with Famous / Widely known Society i.e. All India Sociological Society, (New Delhi) and helps them to solve and make solutions for all social issues as a regional unit.

MSS regularly organise Seminar, Lectures, Talk Show on contemporary issues of society since establishment.

MSS has organised following issues strongly.

1. Sociology and Language -
   14 September 2013 - Local Seminar , Jabalpur
2. Social Challenges of India -
   26 Oct. 2014 - Local Seminar, Rewa
3. Social Challenges of India -
   14-15 March 2015 - Natoinal Seminar, Rewa
4. Vindhya Vaibhy Evam Parytan -
   4-5 Nov. 2015 - National Seminar, Rewa
5. Science Technology & Society -
   20-21 Dec. 2015 - International Seminar, Indore

6. Aarthik Sudharo ka Prastava Evam Kranti - 07 feb. 2016 - State Seminar, Gwalior

7. Samkalin Bhartiya Janjatiya Samajik Chunotiyan - 25-28 Feb. 2016, National Seminar, Budhar, Shahdol

8. Bhartiya Yuva - Dasha Evam Disha - 30 April & 01 May 2016, National Seminar, Jabalpur

9. Science Technology & Society - 11-12 January 2019 International Seminar, Indore

10. Increasing Socio-Cultural Collapse in India - 10-11 March 2019-National Seminar, Jabalpur.

New Invention Starts 2019
Coffee with Sociologist

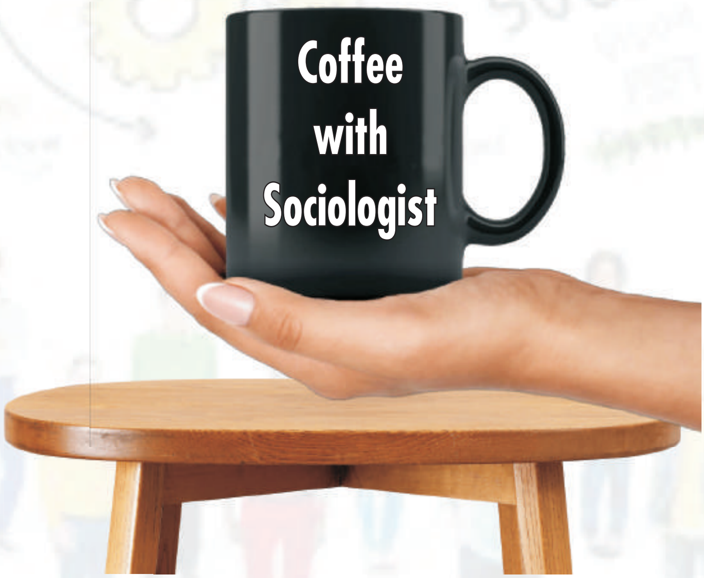

Executive Body

Dr. Mahesh Shukla, President.
Prof. Sociology,Govt. T.R.S. College, Rewa.
Mob. : 9425184505

Dr. Yashpal Vyas, Vice President,
Prof Sociology, Christian College, Indore.
Mob. : 9425056123

Dr. Vijay Ghambhir, Vice President,
Prof. Sociology, Govt. Bhagwat Sahay College, Gwalior
Mob. : 9826488254

Dr. Dhruv Kumar Dixit, Secretary
Associate Professor, Sociology, Kesarwani College, Jabalpur. Mob.: 9425386224, 7828186224

Dr. Gajanan Mishra, Treasurer,
Associate Professor Sociology, Mahatma Gandhi College, Kareli.
Mob. : 9893958687

Dr. Suresh Rai, Member,
Associate Professor Sociology, Govt. P.G. College, Satna
Mob. : 9424908282

Dr. Vinod Rastogi, Member,
Professor Sociology, Govt. Vivekanand College, Maihar, Satna,
Mob.: 8770449397, 9424617775

Dr. G.L. Talware, Member,
Principal, Govt. College, Lakhnadon, Seoni
Mob. : 9425827566

Dr. Dinesh Chandra Khandelwal, Member,
Prof. Sociology Govt. College, Ujjain,
Mob.: 9425494108

Life Time Achivement Award

Professor Shyama Charan Dubey Fellowship Recipient Sociologist Are :-

1. Dr. I.S.Chouhan, Bhopal 2015
2. Dr. D.S. Baghel, Rewa 2015
3. Dr. R.K. Gupta, Jabalpur 2016
4. Dr. A.D. Patil, Indore 2016

Governance

Madhyachal Sociological Society is Governed by General Body, Research, Acadamic Council, And Publication Unit. This is a Volutary Assiociation & is Registered by Madhya Paradesh Society Registration Act 1973. Its Governing body is the Highest Decision Making Body.

social activities

पूर्व गतिविधियाँ (PAST ACTIVITIES)

मध्यांचल सोशियोलॉजिकल सोसायटी
एक दिवसीय कार्यशाला

Technology
STS

Conference

Technology & Society

एक दिवसीय संगोष्ठी
14 सितंबर 2013
“समाजशास्त्र और भाषा”

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी
दिनांक 27 एवं 28 फरवरी 2016
भारत में जनजातीय समाज की चुनौतियाँ
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
आयोजक

एक दिवसीय संगोष्ठी
14 सितंबर 2013

International
Science Technology

मध्यांचल सोशियोलॉजिकल सोसायटी

मध्यांचल सोशियोलॉजिकल सोसायटी

एक दिवसीय संगोष्ठी
14 सितंबर 2013
"समाजशास्त्र और भाषा"

सामाजिक मूल्यों का पतन बड़ी चुनौती

दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ

दिया अकादमिक अवार्ड

मध्यांचल सोशियोलॉजिकल सोसाइटी की दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में समाजशास्त्रियों ने जाहिर की चिंता

सामाजिक मूल्यों का पतन सबसे बड़ी चुनौती

देश में सामाजिक मूल्यों के पुनर्स्थापना के लिए समाज वैज्ञानिकों के चिंतन को बताया जरूरी

दो समाज शास्त्री को प्रो. श्यामाचरण दुबे अवार्ड

एक दर्जन शोध पत्रों का हुआ वाचन

Madhyanchal Sociological Society organises day-long symposium

■ Staff Reporter

On 'Sociology and Language'

MADHYANCHAL Sociological Society organised a day-long symposium on 'Sociology and Language' at Vikramaditya College on Saturday. Chief guest on the occasion was Vice-Chancellor of Rani Durgavati University (RDU) Dr Kedarnath Singh Yadav and Dr Mahesh Shukla, Rewa graced the programme as special guest and Dr Yashpal Vyash, Indore, presided over the function. The programme was commenced by lighting traditional lamp and garlanded Goddess Saraswati. Speaking on the occasion, Dr Yadav said that beginning of any institutions is held with few people.

He said that Pandit Madan Mohan Mallaviya self established the Kashi Vishwavidyalaya and now this Vishwavidyalaya has become the biggest residential Vishwavidyalya of Asia. He said that every one should promise themselves and definitely you won the target and get success in life. He also said that "I agree that Madhyanchal Sociological Society will touch the sky of progress as its name". Dr Mahesh Shukla expressed his views and said that we should initiate efforts that Hindi language should establish the Sociology in the region also. He said that the Sociology is decreasing in the Hindi belt due to lack of knowledge of language. It may be mentioned that on the occasion, Dr Vinod Rastogi, Dr Shikha Gupta, Dr Vijay Gambhir from Gwalior said that today's the language is very important. But, in the present scenario, the talking of public has been completely changed.

Dr S C Rai from Satna also expressed his views towards importance of Hindi.

Soon the, Mandhyanchal Sociological Society, will start its E-Journal and website also. The programme was convened by Dr. Dhruv Dixit and vote of thanks proposed by Sushma Tiwari.

Director of Vikramaditya, Dr. Amit Sahu felicitated to Vice-Chancellor by presenting memento. Nandita Trivedi, Lata Sharma, Madhi Shrivastava, Dinesh Singh, Sushma Tiwari, Seem Tiwari and professors from other colleges were present.

नई गतिविधियाँ

समाजशास्त्रीय शास्त्र विषय नवोन्मेष–2019

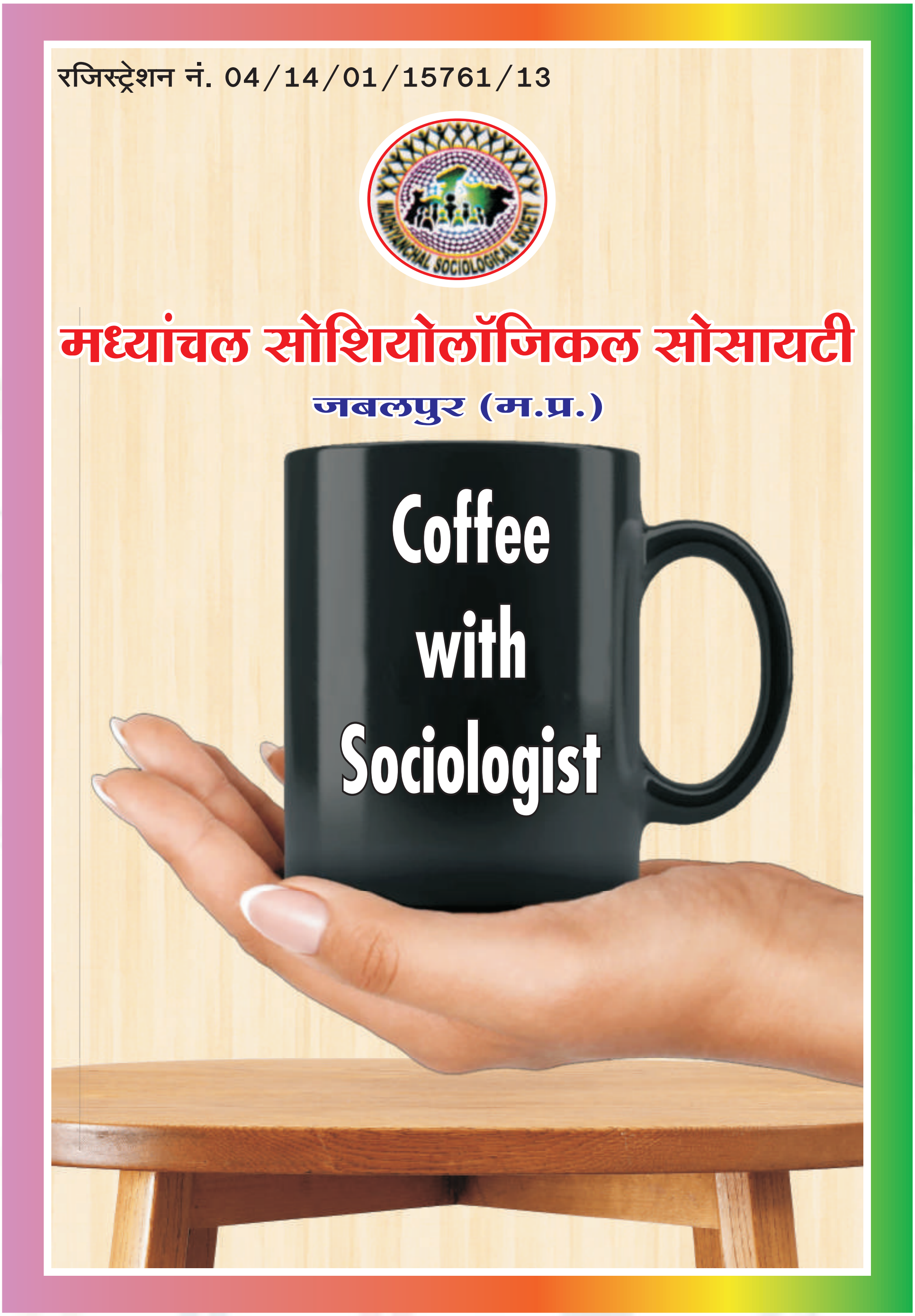

कॉफी विथ सोशियो–लॉजिस्ट प्रथम टॉक शो संपन्न 15 नवम्बर 2019

15 नवम्बर 2019 को भारत में समाजशास्त्र विषय के शताब्दी वर्ष में मध्यप्रदेश में पहली पर समाजशास्त्र के विद्यार्थियों के साथ समाजशास्त्र विषय की विवेचना समाजशास्त्री सी.एस.एस. ठाकुर और समाजशास्त्री सनत कुमार शर्मा द्वारा की गई । कॉफी विथ सोशियोलॉजिकल एक टॉक शो है जिसमें मध्याँचल सोशियोलॉजीकल सोसायटी के सचिव डॉ. ध्रुव कुमार दीक्षित ने मध्य प्रदेश और बिहार के समजाशास्त्रीयों के साथ जबलपुर के समाजशास्त्र विषय के छात्र–छात्राओं के प्रश्नों का समाधान किया।

डॉ. सी.एस.एस. ठाकुर, जबलपुर ने बताया कि समाज का व्यवस्थित अध्ययन BODY OF KNOWLEDGE समाजशास्त्र है । यह सामाजिक संबंधों का विज्ञान है । जिसने किसी भी दो तत्वों के मध्य के संबंधों की पहचान की जाती है । दो पक्षों का होना और दो जागृत ध्रुवों के मध्य प्रयोज्य और प्रयोजन के द्वारा सामाजिक संबंध स्थापित किये जाते हैं । सामाजिक संबंध अमूर्त होते हैं । दुर्खीम, बेवर, पारसंस, मर्टन ने शास्त्रीय समाजशास्त्रीय परंपराओं के माध्यम से समाज की प्रकृति, संबंधों का प्रवाह किया । मैक्स वेबर ने अपने सिद्धांतों के माध्यम से समाज के गुणात्मक पक्ष को विवेचित किया जिससे सामाजिक संदर्भो को जानने की समझ बढ़ी । 21वीं सदी के दौर में सुविधा की संस्कृति अर्थात् CULTURE OF VANTAGE OR CULTURE OF CONVENIENCE विकसित होने से हम विषय वस्तु से दूर होते जा रहे हैं । आज विद्यार्थियों का सीखने से वास्ता नहीं रहा, विद्यार्थी सीखना नहीं चाह रहे हैं वे सिर्फ रेडीमेड पर निर्भर हो रहे हैं । आज हम पुस्तकें नहीं पढ़ते, विषय को आत्मसात नहीं करते, क्योंकि जो भी अवधारणा हमें देखनी है वो गूगल सर प्रदान कर देते हैं ।

टॉक–शो के द्वितीय चरण में दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय गया, बिहार के समाजशास्त्री प्राध्यापक डॉ. सनत कुमार शर्मा ने आमंत्रित प्रश्न तकनीक और समाजशास्त्र पर चर्चा करते हुये कहा कि आज का समाज तकनीक का समाज है । आज हम Intechnology and Off Technology के द्वंद में फसे हुये हैं Intechnology अर्थात बिना किसी आब्जेक्ट को समझे हम प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हैं जो हमारे लिये हानिकारक हो रहा है । मोबाइल टेक्नोलॉजी में वाट्सअप मैसेंजर, ट्यूटर में सुबह से देर रात तक ढेरों संदेश आते हैं जिन्हें हम बिना समझे फारवर्ड कर देते है । तथ्यों की सार्थकता को जाने बिना हम उस पर विश्वास कर लेते हैं

जो बाद में विवाद बनता है । इसी तरह Off Technology अर्थात् प्रोद्यौगिकी का प्रयोग करने से हमारा जीवन, दिनचर्या सरल हो गई है । घर बैठे–बैठे ट्रेन की टिकिट बुक कर लीजिये, बिना बैंक, बिजली ऑफिस, एल.आई.सी. ऑफिस गये आप घर से ही भुगतान कर लेते हैं । बुजुर्ग, अकेले रह रही महिलायें फोन से ही कहीं जाने हेतु ओला, उबर टैक्सी बुला लेती है । ऑन लाईन दवाई, सब्जी, खाना, आदि जरुरत का सामान मंगा लेती है ।

तकनीक के प्रयोग से हमारी फूड हैबिट बदल गई है । आज हमारे संबंध निकट के हो गये हैं । वीडियो कॉलिंग से हम दूर देश में बैठकर भी जन्मदिन, विवाह, सगाई की पार्टी में शामिल हो जाते हैं । लेकिन वहीं आज हमारे भावनात्मक लगाव खत्म हो गये है। एक शोध से ज्ञात हुआ है कि 40 किलो मीटर की रफ्तार से गाड़ी चलाने वाला सुरक्षित है । वहीं 70–80 की स्पीड में गाड़ी चलाने वाले को अपनी गाड़ी पर नियंत्रण रखने के साथ ही सड़क पर इतना अधिक ध्यान देना पड़ता है कि 5 साल में ही वे उच्च रक्त चाप के शिकार हो जाते हैं । तेज रफ्तार, वाहन चालक के साथ ही सामने वाले को भी तनाव में रखती है ।

डॉ. सनत शर्मा ने देशज समाजशास्त्र पर जवाब देते हुये कहा कि देशज समाजशास्त्र भारत की आवश्यकता है । हमारी वैदिक संस्कृति को यदि हम देखे तो संरचनात्मक प्रकार्य के रुप से भीष्मपितामह का जीवन इसका साक्षात दृष्टांत है । मनु के सिद्धांत सामाजिक स्वीकृतियों को स्पष्ट करते हैं । विवाह से ही पिता और पुत्र का दायित्व समाज देता है । बिना विवाह के पिता, पुत्र, माँ, बहु का दायित्व कैसे मिलेगा । चाणक्य राजनैतिक, आर्थिक विश्लेषक है जिन्होंने स्टेट और धर्म, राजा और प्रजा आदि की जिम्मेदारी तय की ।

भारतीय समाज में संयुक्त परिवार सीखने की पाठशाला थी, लेकिन अब यह पाठशाला बंद हो गई है । सास–बहु के संबंध में तनाव का मूल कारण ज्ञान का अभाव है । पुत्र अपने पिता की भाषा जानता है लेकिन बहु अपनी सास की भाषा नहीं जानती । उसे तो सीखना है, अतः विवाह के 2–3 वर्ष तक जो बहु शांत रहते हुये अपनी ससुराल की भाषा सीखती है। वहाँ कभी तनाव नहीं होता लेकिन जो बहु पहले दिन ही अपनी बात रखती है तत्काल सास की प्रतिक्रिया होती है । बहु तेज है अर्थात् तथ्य ज्ञान जरुरी है जो देशज समाजशास्त्र से ही हम जान सकते हैं ।

टॉक–शो के संयोजक डॉ. ध्रुव कुमार दीक्षित ने कहा कि इस टॉक–शो का उद्वेश्य समाजशास्त्र की जन साधारण में सहज, सरल, सैद्धांतिक प्रस्तुती करना है । हम समाजशास्त्र को किताबी ज्ञान से हटाकर सहज रुप से विद्यार्थियों के सामने प्रस्तुत करना चाहते है। टॉक–शो की द्वितीय प्रस्तुती 23 नवंबर की काशी हिन्दु विश्वविद्यालय, वाराणसी के समाजशास्त्री प्रोफेसर अरविंद जोशी के साथ होगी ।

कॉफी विथ सोशियो-लॉजिस्ट द्वितीय टॉक शो संपन्न 23 नवम्बर 2019

समाजशास्त्र और समाज को जानने के लिये मध्यांँचल सोशियोलॉजिकल सोसयाटी द्वारा आज आर.बी. कैफे, शहीद स्मारक में द्वितीय समाजशास्त्रीय टॉक-शो किया गया। इस द्वितीय अनौपचारिक चर्चा में काशी/बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के समाजशास्त्र विभाग के प्राध्यापक अरविंद जोशी जी हमारे मेहमान थे। श्री अरविंद जोशी जी से मेजवान श्री ध्रुव कुमार दीक्षित जी ने समाजशास्त्र विषय के विस्तार और उसकी विविध शाखाओं के विषय में वार्तालाप किया। भारत में समाजशास्त्र विषय प्रारंभ हुये 100 वर्ष ही हुये हैं। अपनी शताब्दी आयु में ही इसकी 150 से अधिक शाखाऐं विस्तारित हो समाज के विविध क्षेत्रों जैसे नगर, ग्राम, उद्योग, परिवार, विधि, कला, फैशन, संस्कृति, विभेदन, स्तरीकरण, क्रिया, अपराध, विवाह, नातेदारी, कृषि, मेडिकल साईंस, क्रीड़ा आदि आयामों का अध्ययन कर इनके कार्यकारण संबंधों, क्रियाओं को जानकर विविध सामाजिक सरोकारों का निदान कर रही है। प्रोफेसर अरविंद जोशी ने बताया औद्योगिकरण के प्रारंभ होने के साथ ही समाजशास्त्र की शुरुआत हुई और इसकी आवश्यकता अनुसार शाखायें विकसित होती गई। आज ग्रामीण, नगरीय, जनजातीय, शांति, विभेदन, वृद्धावस्था, परिवार, विवाह के समाजशास्त्र पर कार्य हो रहे हैं। सामाजिक अध्ययन दो प्रकार के होते हैं, जिसमें क्षेत्रीय अध्ययन ज्यादा महत्वपूर्ण है। समाजशास्त्र और कामनशेंस में अंतर है क्योंकि कामनसेंस सार्वभौमिक नहीं होते हैं, जबकि समाजशास्त्र के सिद्धांत सार्वभौमिक होते हैं। आज अवकाश का समाजशास्त्र हमारे अवकाश के पलों को बताता है। समाजशास्त्र संगठनों का अध्ययन करता है। आज वृद्धावस्था एक महत्वपूर्ण विषय है जिस पर समाजशास्त्र कार्य कर रहा है। समाजशास्त्रीयों के अध्ययन से ही आयुष्मान योजना, चुनाव प्रबंधन, राष्ट्रीय सुरक्षा बीमा योजना और सभी को पेंशन योजना सरकार ने प्रारंभ की है।

इस वार्तालाप में डॉ. सी.एस.एस. ठाकुर ने कहा आज समाजशास्त्र की विविधता इतनी व्यापक हो गई है कि मेडिकल इंजिनियरिंग, विधि, कृषि, प्रबंध विज्ञान में समाजशास्त्र की सेवायें ली जा रही है। टॉक-शो में डॉ. सी.एस.एस. ठाकुर, श्रीमती इंदू ठाकुर, डॉ. सुशील दुबे, डॉ. रज्जन द्विवेदी, डॉ. नीता ठाकुर, डॉ. रिचा सेन गुप्ता, डॉ. मीनाक्षी सोबरी, डॉ. राजीव मिश्रा, डॉ. प्रीति बाला मिश्रा, डॉ. अंजू मिश्रा, डॉ. अमित साहू, डॉ. विजय दीक्षित ने प्रो. अरविंद जोशी जी से समाजशास्त्र विषय की उपयोगिता पर प्रश्न पूछें। इस अनौपचारिक चर्चा शो में माता गुजरी कॉलेज की अंजू मिश्रा, रेणु राय अंजुमन इस्लामिया कॉलेज की देवी कृष्णा, महाराष्ट्र कॉलेज की डॉ. नीता ठाकुर और विक्रमादित्य कॉलेज के डॉ. अमित साहू सहित धर्मेन्द्र झारिया, आरती झारिया, रीना वासनिक, निखिल चौरसिया, किशोर टेम्भुरने, शैलेंद्र वर्मा की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

TALK SHOW - COFFEE WITH SOCIOLOGIST

Madhyanchal Sociological Society Talk Show "Coffee with Sociologist" conducted on 15th and 23rd November 2019 at Jabalpur R.B. Cafe.

There were Two Talk shows was organised by Dr. Dhruv Kumar Dixit and Host Speaker was Proffessor C.S.S. Thakur, Dept. of Sociology, R.D.V.V., Jabalpur, Professor Sanat Kumar Sharma, Dept. of Sociology, South Bihar Central University, Gaya & Professor Arvind Joshi, Sociology Deptt. B.H.U. Varanasi.

Dr. C.S.S. Thakur discussed, systamatic study of society is sociology. Sociology is a Body of Knowledge. Its a science of Social Relation. He said 21st Century is a culture of convenience. Today, student do not have relations with learning they all are dependent on Readymade culture i.e. Google.

Dr. Sanat Sharm Discussed, Todays society is society of Technic. we are involve in "In-Technology and Off Technology". Technology changes the food habit Day by Day Tension increases in our society. According to him basic cause of tension between mother and daughter inlaw is lack of knowledge. Duo of son and father know each others language where as mother and daughter in law does not know that.

Professor Arvind Joshi, explained Sociology was started after Industrialization and was expanded in many field like Rural, Urban, Old Age, Tribal, Family, Marriage, Law, Medical, Tourism, Fashion, Criminology, Action, Sports, Art, Culture etc.

Govt. of India had started so many welfare scheme after inspiring from sociological study i.e. Ayushman Yojna, Election Management, National Suraksha Bima Yojna, Pension Scheme etc.

Dr. C.S.S. Thakur, Vijay Dixit, Rajjain Dwivedi, Richa Sen Gupta, Prabha Pahadiya, Renu Parihar, Anju Mishra, Amit Sahu attended this Talk Show and discussion with Prof. Arvind Joshi.

राष्ट्रीय संगोष्ठी – 11 मार्च 2019

जबलपुर। सोमवार 25 नवम्बर 2019 **जबलपुर एक्सप्रेस**
अगहन कृष्ण पक्ष 14, संवत 2076

▪ मध्यांचल सोशियोलाजिकल सोसायटी का टॉक शो

समाजशास्त्र के अध्ययन से ही सरकारी योजनायें प्रारंभ

जबलपुर (एक्सप्रेस)। समाज शास्त्र और समाज को जानने के लिए मध्यांचल सोशियोलाजिकल सोसायटी द्वारा आरबी कैके शहीद स्मारक में द्वितीय समाज शास्त्रीय टॉक शो आयोजित किया गया। इस द्वितीय अनौपचारिक चर्चा में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के वाराणसी समाज शास्त्र विभाग के प्राध्यापक अरविंद जोशी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मेजबान ध्रुव कुमार दीक्षित ने समाज शास्त्र विषय के विस्तार और इसकी विभिन्न शाखाओं के विषय में वार्तालाप किया। श्री जोशी ने बताया कि औद्योगिकरण के प्रारंभ होने के साथ ही समाज शास्त्र की शुरूआत हुई और इसकी आवश्यकतानुसार शाखायें विकसित होती गईं। आज ग्रामीण, नगरीय, शांति, वृद्धावस्था आज एक महत्वपूर्ण विषय है। समाज शास्त्र के अध्ययन से ही आयुष्मान योजना, चुनाव प्रबंधक, राष्ट्रीय सुरक्षा, बीमा योजना, पेंशन योजना सरकार ने प्रारंभ की है।

वार्तालाप में डॉ. सीएस ठाकुर ने कहा आज समाजशास्त्र की विविधता इतनी व्यापक हो गई है कि मेडीकल, इंजीनियरिंग, विधि, कृषि प्रबंध विज्ञान में समाज शास्त्र की सेवायें ली जा रही है। टॉक शो में डॉ. एसएस ठाकुर, इंदु ठाकुर, डॉ. सुशील दुबे, डॉ. रज्जन द्विवेदी, डॉ. नीता ठाकुर आदि ने चर्चा में भाग लिया।

नईदुनिया 19
जबलपुर, शनिवार 16 नवंबर 2019

नए विचार के साथ जाना समाजशास्त्र का महत्व

जबलपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

देश में समाजशास्त्र के शताब्दी वर्ष में प्रदेश में पहली बार मध्यांचल सोशियोलॉजिस्ट सोसायटी ने समाजशास्त्रियों को एक अकादमिक प्लेटफॉर्म पर नए विचार के साथ आमंत्रित किया। इसमें समाजशास्त्री डॉ. सीएसएस ठाकुर के साथ 25 नवोदित समाजशास्त्र के विद्यार्थियों को कॉफी विथ सोशियोलॉजिस्ट टॉक शो में जोड़ा। यह टॉक शो समाजशास्त्र क्या है, किसके लिए है, इसका महत्व क्या है, जैसे प्रासंगिक प्रश्नों के समाधान के लिए किया गया।

सोसायटी के सचिव डॉ.ध्रुव कुमार दीक्षित ने समाजशास्त्री डॉ.सीएसएस ठाकुर के सामने शिक्षकों, विद्यार्थियों से प्रश्न- समाजशास्त्री शब्द की व्याख्या, लघु और वृहद समाजशास्त्र गुणात्मक और गणनात्मक समाजशास्त्र क्या बदलाव ला सकता है, व्यावहारिक समाजशास्त्र की उपयोगिता, राष्ट्रीय एकीकरण की स्थापना में समाजशास्त्र की भूमिका जैसे प्रासंगिक प्रश्न रखे। डॉ. सीएसएस ठाकुर ने समाधान करते हुए कहा कि आज सुविधा की संस्कृति चल रही है, जिससे समाजशास्त्र की विषय वस्तु से हम दूर हो गए हैं।

दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, गया(बिहार) के प्राध्यापक डॉ. सनत कुमार शर्मा ने तकनीक का समाजशास्त्र व देशज समाजशास्त्र की विवेचना कर शिक्षकों से कहा कि तकनीक का कहां तक व कितना उपयोग करना है, ये हमें तय करना होगा। कार्यक्रम में डॉ.इंदु ठाकुर, डॉ.गजानन मिश्र, डॉ.सुशील दुबे आदि उपस्थित रहे।

पत्रिका
जबलपुर, मंगलवार, 26 नवंबर 2019

औद्योगिकीकरण के साथ शुरू हुआ समाजशास्त्र

जबलपुर ◆ औद्योगिकीकरण के प्रारम्भ होने के साथ ही समाज शास्त्र की शुरुआत हुई और इसकी आवश्यकता अनुसार शाखाएं विकसित होती गई। आज ग्रामीण, नगरीय जनजातीय, शांति, वृद्धावस्था, परिवार, विवाह में समाजशास्त्र पर कार्य हो रहे हैं। समाजशास्त्र की शाखाएं सामाजिक सरोकारों के माध्यम से इनकी क्रियाओं को जानकर विविध सामाजिक सरोकरों का निदान कर रही है। उक्त विचार मध्यांचल सोशियोलॉजिकल सोसायटी द्वारा आरबी कैके में आयोजित समाज शास्त्रीय टॉक शो में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रो. अरविंद जोशी ने मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किए। डॉ. सीएसएस ठाकुर ने कहा कि समाज शास्त्र की विविधता व्यापक हो गई है। टॉक शो में प्रो.ध्रुव दीक्षित, डॉ. सुशील दुबे, डॉ.अमित साहू, डॉ.विजय दीक्षित, डॉ. रिचासेन गुप्ता, डॉ. प्रीति बाला मिश्रा ने भी विचार व्यक्त किए। इस दौरान डॉ. नीता ठाकुर, धर्मेंद्र झारिया, आरती झारिया, रीना वासनिक, निखिल चौरसिया, किशोर, शैलेंद्र वर्मा आदि उपस्थित थे।

जबलपुर, सोमवार, 25 नवम्बर 2019 . 04 **दैनिक भास्कर**

हर क्षेत्र में समाज शास्त्रियों से माँगी जा रही मदद

जबलपुर। समाजशास्त्र और समाज को जानने के लिए मध्यांचल सोशियोलॉजिकल सोसायटी द्वारा गत दिवस शहीद स्मारक में द्वितीय समाज शास्त्रीय टॉक शो हुआ। चर्चा में काशी बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के समाजशास्त्र विभाग के प्राध्यापक अरविंद जोशी शामिल रहे। मेजबान ध्रुव कुमार दीक्षित ने समाजशास्त्र विषय के विस्तार से वार्तालाप की। उन्होंने बताया कि भारत में समाजशास्त्र विषय प्रारंभ हुए सौ वर्ष हो गए हैं। औद्योगीकरण के प्रारंभ होने के साथ ही समाजशास्त्र की शुरूआत हुई और इसकी आवश्यकता अनुसार शाखाएँ विकसित होती हैं। इस चर्चा में डॉ. सीएसएस ठाकुर ने कहा कि समाजशास्त्र की विविधता इतनी व्यापक हो गई है कि मेडिकल, इंजीनियरिंग, विधि, कृषि, प्रबंध व विज्ञान में समाज शास्त्र की सेवाएँ ली जा रहीं हैं। टॉक शो में श्रीमती इंदू ठाकुर, डॉ. सुशील दुबे, डॉ. रज्जन द्विवेदी, डॉ. रिचा सेनगुप्ता आदि सदस्यों की उपस्थिति रही।पी-3

पत्रिका सिटी पत्रिका patrika.com
जबलपुर, सोमवार, 18 नवंबर, 2019

कॉफी विथ सोशियोलॉजिस्ट का आयोजन

'छात्रों की पढ़ने में रुचि नहीं, रेडीमेड पर निर्भर'

जबलपुर. समाज का व्यवस्थित अध्ययन बॉडी ऑफ नॉलेज समाजशास्त्र है। आज विद्यार्थियों का सीखने से वास्ता नहीं रहा। विद्यार्थी सीखना नहीं चाह रहे हैं वे सिर्फ रेडीमेड पर निर्भर हो रहे हैं। आज हम पुस्तकें नहीं पढ़ते, विषय को आत्मसात नहीं करते, क्योंकि जो भी अवधारणा हमें देखनी है उसके लिए गूगल का उपयोग कर लेते हैं। उक्त विचार समाजशास्त्री प्रो. एसएसए ठाकुर ने कॉफी विथ सोशियोलॉजिस्ट कार्यक्रम के तहत मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। मध्यांचल सोशियोलॉजिकल सोसायटी के सचिव डॉ.ध्रुव कुमार दीक्षित के निर्देशन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें समाजशास्त्रियों ने छात्र-छात्राओं की शंकाओं और सवालों के जवाब दिए। डॉ. सनत शर्मा ने देशज समाजशास्त्र पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि देशज समाजशास्त्र भारत की आवश्यकता है। डॉ. ध्रुव दीक्षित ने कहा कि इस टॉक शो का उद्देश्य समाज शास्त्र को जनसाधारण में सहज सरल सैद्धांतिक प्रस्तुती करना है। 23 नवंबर को द्वितीय चरण में काशी हिंदू विवि वाराणसी के समाजशास्त्री प्रो. आरविंद जोशी मुख्य वक्ता होंगे।

City भास्कर जबलपुर, शनिवार, 16 नवम्बर 2019 . 04

किताबी ज्ञान से हटकर सहज रूप में समाजशास्त्र से हों परिचित

जबलपुर। आज सुविधा की संस्कृति चल रही है, जिससे समाज शास्त्र की विषय-वस्तु से हम दूर हो गए हैं। समाजशास्त्र संबंधों की विवेचना करता है। कुछ ऐसे ही विचार डॉ. सीएसएस ठाकुर ने व्यक्त किए। अवसर था मध्यांचल सोशियोलॉजी सोसायटी द्वारा शहीद स्मारक में समाजशास्त्रियों के कॉफी विद सोशियोलॉजिस्ट्स टाक शो का। जिसमें समाजशास्त्र के विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से विषय संबंधी सवाल पूछे। सोसायटी के सचिव डॉ. ध्रुव कुमार दीक्षित ने टाक शो के उद्देश्य के बारे में बताया। समाज शास्त्र की व्याख्या, लघु और वृहद समाजशास्त्र, गुणात्मक और गुणनात्मक समाजशास्त्र, समाजशास्त्र समाज में क्या बदलाव ला सकता है ... आदि प्रश्नों का समाधान विशेषज्ञ ने अपने जवाब में दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान से हटकर सहज रूप में समाजशास्त्र से परिचित होने की बात कही। इस अवसर पर प्राध्यापक सनत कुमार, डॉ. इंदू ठाकुर, डॉ. गजानन मिश्र, डॉ. सुशील दुबे, डॉ. रज्जन द्विवेदी, डॉ. रिचा सेन गुप्ता, नीता ठाकुर आदि सदस्यों की उपस्थिति रही।पी-3

दैनिक भास्कर जबलपुर, शनिवार, 16 नवम्बर 2019 . 04

किताबी ज्ञान से हटकर सहज रूप में समाजशास्त्र से हों परिचित

जबलपुर। आज सुविधा की संस्कृति चल रही है, जिससे समाज शास्त्र की विषय-वस्तु से हम दूर हो गए हैं। समाजशास्त्र संबंधों की विवेचना करता है। कुछ ऐसे ही विचार डॉ. सीएसएस ठाकुर ने व्यक्त किए। अवसर था मध्यांचल सोशियोलॉजी सोसायटी द्वारा शहीद स्मारक में समाजशास्त्रियों के कॉफी विद सोशियोलॉजिस्ट्स टाक शो का। जिसमें समाजशास्त्र के विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से विषय संबंधी सवाल पूछे। सोसायटी के सचिव डॉ. ध्रुव कुमार दीक्षित ने टाक शो के उद्देश्य के बारे में बताया। समाज शास्त्र की व्याख्या, लघु और वृहद समाजशास्त्र, गुणात्मक और गुणनात्मक समाजशास्त्र, समाजशास्त्र समाज में क्या बदलाव ला सकता है ... आदि प्रश्नों का समाधान विशेषज्ञ ने अपने जवाब में दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान से हटकर सहज रूप में समाजशास्त्र से परिचित होने की बात कही। इस अवसर पर प्राध्यापक सनत कुमार, डॉ. इंदू ठाकुर, डॉ. गजानन मिश्र, डॉ. सुशील दुबे, डॉ. रज्जन द्विवेदी, डॉ. रिचा सेन गुप्ता, नीता ठाकुर आदि सदस्यों की उपस्थिति रही।पी-3

नई गतिविधियाँ
New Activities

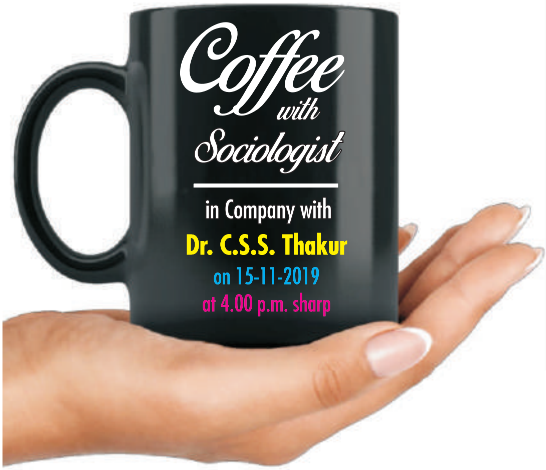
Coffee with Sociologist
in Company with
Dr. C.S.S. Thakur
on 15-11-2019
at 4.00 p.m. sharp

Coffee with Sociologist
in Company with
Dr. Arvind Kumar Joshi
on 23-11-2019
at 4.00 p.m. sharp

Coffee with Sociologist
in Company with
Dr. Sanat Kumar Sharma
on 15-11-2019
at 4.00 p.m. sharp

MADHYANCHAL SOCIOLOGICAL SOCIETY

55-Alok Nagar, Adhartal, Jabalpur (M.P.)

BALANCE SHEET

AS ON 31st MARCH 2016

Liabilities		Amount	Assets		Amount
Capital Fund			Cash & Bank Balances		
Opening Balance	67,833.00		Bank Of Baroda		108,008.00
Add:Excess of Income over Expenditure	40,175.00	108,008.00	Cash-in-hand		-
Total		108,008.00	Total		108,008.00

MADHYANCHAL SOCIOLOGICAL SOCIETY

55-Alok Nagar, Adhartal, Jabalpur (M.P.)

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT

for the year ended 31st March, 2016

Expenditure		Amount	Income		Amount
To Office Bags		84.00	By Membership Fees		66,000.00
To Bank Charges		20,000.00	By Donation Received		12,000.00
To Website Space Registration Expense		19,000.00	By Interest		3,259.00
To Audit Fee (2014-15)		2,000.00			
expenditure transferred to capital fund		40,175.00			
Total		81,259.00	Total		81,259.00

AS PER OUR AUDIT REPORT OF EVEN DATE

For Vishal Shrivastava & Co.
(Chartered Accountants)

Vishal Shrivastava
Partner
Membership No. 423702
PAN-AAOFV7085L
Reg No. 018490C

Place : Jabalpur
Date : 24/08/2016

MADHYANCHAL SOCIOLOGICAL SOCIETY

55-Alok Nagar, Adhartal, Jabalpur (M.P.)

RECEIPTS AND PAYMENTS ACCOUNT

for the year ended 31st March, 2018

Receipts		Amount	Payments		Amount
To Balance b/d			By Bank Charges		35.40
Cash-in-hand	-		By Misc Exp (PAN Card)		110.00
Balance with Bank	138,048.00	138,048.00	By Audit Fee		2,500.00
			By Website Space Registration Expense		29,665.20
To Bank Interest		1,211.00	By Balance c/d		
To Donation		2,610.00	Cash-in-hand	-	
			Balance with Bank	109,558.95	109,558.95
Total		141,869.00	Total		141,869.55

AS PER OUR AUDIT REPORT OF EVEN DATE

For Vishal Shrivastava & Co.
(Chartered Accountants)

Vishal Shrivastava
Partner
Membership No. 423702
PAN-AAOFV7085L
Reg No. 018490C

Place : Jabalpur
Date :13/09/2018

MADHYANCHAL SOCIOLOGICAL SOCIETY

55-Alok Nagar, Adhartal, Jabalpur (M.P.)

BALANCE SHEET

AS ON 31st MARCH 2017

Liabilities		*Amount*	*Assets*		*Amount*
Capital Fund			Cash & Bank Balances		
Opening Balance	108,008.00		Bank Of Baroda		138,048.00
Add:Excess of Income over Expenditure	30,040.00	138,048.00	Cash-In-hand		-
Total		138,048.00	Total		138,048.00

MADHYANCHAL SOCIOLOGICAL SOCIETY

55-Alok Nagar, Adhartal, Jabalpur (M.P.)

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT

for the year ended 31st March, 2017

Expenditure		*Amount*	*Income*		*Amount*
To Bank Charges		69.00	By Membership Fees		26,000.00
To Audit Fee		2,500.00	By Donation Received		2,500.00
To Website Space Registration Expense		5,000.00	By Interest		9,109.00
To excess of income over expenditure transferred to capital fund		30,040.00			
Total		37,609.00	Total		37,609.00

AS PER OUR AUDIT REPORT OF EVEN DATE

For Vishal Shrivastava & Co.
(Chartered Accountants)

Place : Jabalpur
Date : 19/09/2017

Vishal Shrivastava
Partner
Membership No. 423702
PAN-AAOFV7085L
Reg No. 018490C

MADHYANCHAL SOCIOLOGICAL SOCIETY

55-Alok Nagar, Adhartal, Jabalpur (M.P.)

RECEIPTS AND PAYMENTS ACCOUNT

for the year ended 31st March, 2017

Receipts		*Amount*	*Payments*		*Amount*
To Balance b/d			By Bank Charges		69
			By Website Space Registration		
Cash-in-hand	-		Expense		5,000.00
Balance with Bank	108,008.00	108,008.00	By Audit Fee		2,500.00
			By Balance c/d		
To Membership Fees		26,000.00	Cash-in-hand	-	
To Bank Interest		9,109.00	Balance with Bank	138,048.00	138,048.00
To Donation		2,500.00			
Total		145,617.00	Total		145,617.00

AS PER OUR AUDIT REPORT OF EVEN DATE

For Vishal Shrivastava & Co.
(Chartered Accountants)

Vishal Shrivastava
Partner
Membership No. 423702
PAN-AAOFV7085L
Reg No. 018490C

Vishal Shrivastava & Co. JABALPUR Chartered Accountants

Place : Jabalpur
Date : 19/09/2017

MADHYANCHAL SOCIOLOGICAL SOCIETY

55-Alok Nagar, Adhartal, Jabalpur (M.P.)

BALANCE SHEET

AS ON 31st MARCH 2018

Liabilities		*Amount*	*Assets*		*Amount*
Capital Fund			**Cash & Bank Balances**		
Opening Balance	138,048.00		Bank Of Baroda		109,558.95
Less: Deficit	(28,489.60)	109,558.40	Cash-in-hand		-
Total		**109,558.40**	**Total**		**109,558.95**

MADHYANCHAL SOCIOLOGICAL SOCIETY

55-Alok Nagar, Adhartal, Jabalpur (M.P.)

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT

for the year ended 31st March, 2018

Expenditure		*Amount*	*Income*		*Amount*
To Bank Charges		35.40	By Membership Fees		-
To Audit Fee		2,500.00	By Donation Received		2,610.00
To Misc expense (PAN Card)		110.00	By Interest		1,211.00
By Website Space Registration Expense		29,665.20	By Deficit (Excess of Expenditure over Income)		28,489.60
Total		**32,310.60**	**Total**		**32,310.60**

AS PER OUR AUDIT REPORT OF EVEN DATE

For Vishal Shrivastava & Co.
(Chartered Accountants)

Vishal Shrivastava
Partner
Membership No. 423702
PAN-AAOFV7085L
Reg No. 018490C

Place : Jabalpur
Date :13/09/2018

MADHYANCHAL SOCIOLOGICAL SOCIETY

55-Alok Nagar, Adhartal, Jabalpur (M.P.)

RECEIPTS AND PAYMENTS ACCOUNT

for the year ended 31st March, 2016

Receipts		Amount	Payments		Amount
To Balance b/d			By Bank Charges		84
Cash-in-hand	-		By Office Bag		20,000.00
			By Website Space Registration		
Balance with Bank	67,833.00	67,833.00	Expense		19,000.00
			By Audit fee		2,000.00
			By Balance c/d		
			Cash-in-hand	-	
To Membership Fees		66,000.00	Balance with Bank	108,008.00	108,008.00
To Bank Interest		3,259.00			
To Donation		12,000.00			
Total		149,092.00	Total		149,092.00

AS PER OUR AUDIT REPORT OF EVEN DATE

For Vishal Shrivastava & Co.
(Chartered Accountants)

Place : Jabalpur
Date : 24/08/2016

Vishal Shrivastava
Partner
Membership No. 423702
PAN-AAOFV7085L
Reg No. 018490C

Vishal Shrivastava & Co. Chartered Accountants JABALPUR

MADHYANCHAL SOCIOLOGICAL SOCIETY

55-Alok Nagar, Adhartal, Jabalpur (M.P.)

BALANCE SHEET

AS ON 31st MARCH 2015

Liabilities		*Amount*	*Assets*		*Amount*
Capital Fund			**Cash & Bank Balances**		
Opening Balance	37,500.00		Bank Of Baroda		67,833.00
Add: Excess of Income over Expenditure	30,333.00	67,833.00	Cash-in-hand		-
Total		**67,833.00**	**Total**		**67,833.00**

MADHYANCHAL SOCIOLOGICAL SOCIETY

55-Alok Nagar, Adhartal, Jabalpur (M.P.)

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT

for the year ended 31st March, 2015

Expenditure		*Amount*	*Income*		*Amount*
To Printing		7,900.00	By Membership Fees		29,000.00
To Bank charges		84.00	By Donation Received		11,215.00
To Stationery Expenses		115.00	By Interest		1,417.00
To City Treasury		1,200.00			
To Audit Fee		2,000.00			
To excess of income over expenditure transferred to capital fund		30,333.00			
Total		**41,632.00**	**Total**		**41,632.00**

AS PER OUR AUDIT REPORT OF EVEN DATE

For Vishal Shrivastava & Co.
(Chartered Accountants)

Vishal Shrivastava
Partner
Membership No. 423702
PAN-AAOFV7085L
Reg No. 018490C

Place : Jabalpur
Date : 05/09/2015

MADHYANCHAL SOCIOLOGICAL SOCIETY

55-Alok Nagar, Adhartal, Jabalpur (M.P.)

RECEIPTS AND PAYMENTS ACCOUNT

for the year ended 31st March, 2015

Receipts		Amount	Payments		Amount
To Balance b/d			By Bank Charges		84.00
Cash-In-hand	-		By City Treasury		1,200.00
Balance with Bank	37,500.00	37,500.00	By Printing		7,900.00
			By Audit fee		2,000.00
To Donation		11,215.00	By Stationery Expenses		115.00
To Membership Fees		29,000.00	By Balance c/d		
To Bank Interest		1,417.00	Cash-in-hand	-	
			Balance with Bank	67,833.00	67,833.00
Total		79,132.00	Total		79,132.00

AS PER OUR AUDIT REPORT OF EVEN DATE

For Vishal Shrivastava & Co.
(Chartered Accountants)

Vishal Shrivastava
Partner
Membership No. 423702
PAN-AAOFV7085L
Reg No. 018490C

Vishal Shrivastava & Co. JABALPUR Chartered Accountants

Place : Jabalpur
Date : 05/09/2015

MADHYANCHAL SOCIOLOGICAL SOCIETY

55-Alok Nagar, Adhartal, Jabalpur (M.P.)

RECEIPTS AND PAYMENTS ACCOUNT

for the year ended 31st March, 2015

Receipts		Amount	Payments		Amount
To Balance b/d			By Bank Charges		84.00
Cash-in-hand	-		By City Treasury		1,200.00
Balance with Bank	37,500.00	37,500.00	By Printing		7,900.00
			By Audit fee		2,000.00
To Donation		11,215.00	By Stationery Expenses		115.00
To Membership Fees		29,000.00	By Balance c/d		
To Bank Interest		1,417.00	Cash-in-hand	-	
			Balance with Bank	67,833.00	67,833.00
Total		79,132.00	Total		79,132.00

AS PER OUR AUDIT REPORT OF EVEN DATE

For Vishal Shrivastava & Co.
(Chartered Accountants)

Place : Jabalpur
Date : 05/09/2015

Vishal Shrivastava
Partner
Membership No. 423702
PAN-AAOFV7085L
Reg No. 018490C

Vishal Shrivastava & Co. JABALPUR Chartered Accountants

MADHYANCHAL SOCIOLOGICAL SOCIETY

55-Alok Nagar, Adhartal, Jabalpur (M.P.)

BALANCE SHEET

AS ON 31st MARCH 2014

Liabilities		*Amount*	*Assets*		*Amount*
Capital Fund			**Cash & Bank Balances**		
Opening Balance	-		Bank Of Baroda		37,500.00
Add: Excess of Income over Expenditure	37,500.00	37,500.00	Cash-in-hand		-
Total		37,500.00	**Total**		37,500.00

MADHYANCHAL SOCIOLOGICAL SOCIETY

55-Alok Nagar, Adhartal, Jabalpur (M.P.)

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT

for the year ended 31st March, 2014

Expenditure		*Amount*	*Income*		*Amount*
To Stationery Expenses		250.00	By Membership Fees		37,000.00
To Website Space Registration Expense		23,940.00	By Donation Received		24,690.00
To excess of income over expenditure transferred to capital fund		37,500.00			
Total		61,690.00	**Total**		61,690.00

AS PER OUR AUDIT REPORT OF EVEN DATE

For Vishal Shrivastava & Co.
(Chartered Accountants)

Place : Jabalpur
Date : 01/09/2014

Vishal Shrivastava
Partner
Membership No. 423702
PAN-AAOFV7085L
Reg No. 018490C

Reg. No. : Reg. No-15761/13

MADHYANCHAL SOCIOLOGICAL SOCIETY

Application Form For Membership

The Secretary
Madhyanchal Sociological Society

Sir/Madam,

I / We would like to be a Life Member / Ordinary Student Member / Institutional Member of Madhyanchal Sociological Society and therefore remit Rs.1,000 (US$ 100) / Rs.500 (US$ 50) / Rs. 5,000(US$ 500) by cash / Multicity cheque / draft / Money Order as my / our membership fee.

I / We have read the Rules and Regulations of the Society and agree to abide by them.

1. Full Name (in block letters) ______________________
2. Gender - Male/Female
3. Nationality -
4. Working Status - Academia / Researcher/Others
5. Working Institution ______________________
6. Mailing Address ______________________
7. Tel. Phone/No (with code) ____________ Fax No____________
8. Mobile No. ______________________
9. E-mail ______________________

I had send the Life / Institutional Membership amount Rs. ____________ by Multicity Cheque / D.D No.____________ Bank Name ____________ ____________ Date ____________ in favour of Madhyanchal Sociological Society payable at Jabalpur.

Date ____________

Signature

Mailing Address:
SECRETARY
M.P. Sociological Society
Gharonda
55-Alok Nagar, Adhartal, JABALPUR (M.P.) 482004
Mob. 9425386224,9425184505,9425056122

Detail of Account
Name of Account- Madhyanchal Sociological Society
Bank of Baroda, Jabalpur Main | A/c No – 04980100010829 | IFSC Code-BARBOJABLP | MICR Code-482012001

दैनिक भास्कर

JABALPUR TUESDAY, 12/03/2019 . 04

वैचारिक परिवर्तन के कारण भारतीय जीवनशैली बदल रही है

सम्मेलन में 36 शोधार्थियों ने प्रस्तुत किए शोधपत्र

सिटी रिपोर्टर, जबलपुर| वैचारिक परिवर्तन के कारण भारतीय जीवनशैली बदल रही है। उक्त विचार व्यक्त किए विषय विशेषज्ञ डॉ. सीएसएस ठाकुर ने। अवसर था शहीद स्मारक में मध्यांचल सोशियोलॉजिकल सोसायटी के तृतीय सम्मेलन का, जिसमें विभिन्न अतिथियों ने अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि आज हमारी संस्कृति से मूल्य समाप्त होते जा रहे हैं। मूल्यहीनता के कारण समाज संक्रमण के दौर से गुजर रहा है।

दिखी विद्यार्थियों की लगन | भारतीय संस्कृति में हो रहे परिवर्तन को विवेचित करते हुए 36 शोधार्थियों ने शोधपत्र प्रस्तुत किए। इस दौरान रादुविवि कुलपति डॉ. कपिल देव मिश्र, डॉ. महेश शुक्ला मौजूद रहे। संगोष्ठी के दौरान डॉ. शारदा सोनी, डॉ. मुदिता श्रीवास्तव, डॉ. सुषमा पेंढारकर, डॉ. नंदिता त्रिवेदी, श्रीमती सीमा सिंह, डॉ. नीता ठाकुर, लक्ष्मी चिले, अनीता पुरी, निधी यादव, प्रदीप सिंह ने शोध पत्र प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में डॉ. आशुतोष दुबे, डॉ. प्रीति गुप्ता, डॉ. नीलेश पांडे, डॉ. दिनेश सिंह, डॉ. देवेन्द्र विश्वकर्मा, रेणुका, अर्चना सिंह, अविनाश राय, डॉ. तृप्ति आदि की उपस्थिति रही। संचालन डॉ. ध्रुव कुमार दीक्षित ने किया। पी-5

पत्रिका . जबलपुर, मंगलवार 12 मार्च, 2019

सामाजिक और सांस्कृतिक क्षरण का मूल कारण अपनी परंपराओं की भूल

जबलपुर ◆ मध्यांचल सोशलॉजी सोसायटी का तीसरा सम्मेलन शहीद स्मारक स्थित केंद्र में राष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ संपन्न हुआ। सोमवार को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केडी मिश्र ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. सीएसएस ठाकुर, डॉ. महेश शुक्ला, ध्रुव दीक्षित शामिल हुए। कुलपति डॉ. मिश्र ने कहा कि आज सामाजिक, सांस्कृतिक क्षरण का मूल कारण हमारी अपनी परंपराओं की भूल है। भारत वह देश है, जो चरित्र, आचरण और कृतित्व के माध्यम से हमें शिक्षित करता है। प्रकृति, विकृति, संस्कृति परंपरा में युगानुकूल परिवर्तन करना ही आधुनिकता है। दीक्षित ने कहा कि आज हमारी संस्कृति से मूल्य समाप्त होते जा रहे हैं। मूल्य हीनता के कारण समाज संक्रमण के दौर से गुजर रहा है। विषय विशेषज्ञ सीएसएस ठाकुर ने कहा कि वैचारिकी परिवर्तन के कारण भारतीय जीवन बदल रहा है। संगोष्ठी में विभिन्न शहरों एवं प्रदेश के अन्य कॉलेजों के प्राध्यापक शामिल हुए। सभी ने अपने-अपने शोध पत्रों का वाचन किया। समापन सत्र की अध्यक्षता डॉ. मुदिता श्रीवास्तव ने की। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. आशुतोष दुबे, डॉ. प्रीति गुप्ता, डॉ. निलेश पांडे, डॉ. दिनेश सिंह, डॉ. देवेंद्र विश्वकर्मा, तरन्नुम, रेणुका, अर्चना सहित अन्य उपस्थित रहीं।

नईदुनिया 17

परंपराओं को भूलना ही सामाजिक और सांस्कृतिक क्षरण का कारण

मध्यांचल सोशियोलॉजिकल सोसायटी द्वारा सम्मेलन का आयोजन

राज एक्सप्रेस | महानगर

मंगलवार, 12 मार्च, 2019 | 9 | जबलपुर

www.rajexpress.co

परम्पराओं को भूलने से हो रहा सामाजिक-सांस्कृतिक क्षरण

जबलपुर(आरएनएन)। आज सामाजिक- सांस्कृतिक क्षरण का मूल कारण हमारा परम्पराओं को भूलना है। भारत वह देश है जो चरित्र, आचरण और कृतित्व के माध्यम से हमें शिक्षित करता है। प्रकृति, संस्कृति, परम्परा में युगानुकूल परिवर्तन करना ही आधुनिकता है। उक्त विचार रानी दुर्गावती यूनिवर्सिटी कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने सोमवार को मध्यांचल सोशियोलॉजिकल सोसायटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। भारत में सामाजिक- सांस्कृतिक क्षरण विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए डॉ. ध्रुव दीक्षित ने बताया कि आज हमारी संस्कृति से मूल्य समाप्त होते जा रहे हैं, मूल्यहीनता के कारण समाज संक्रमण के दौर से गुजर रहा है। विषय विशेषज्ञ प्रो. सीएसएस ठाकुर ने कहा कि वैचारिक परिवर्तन के कारण भारतीय जीवन बदल रहा है। संगोष्ठी में रीवा से आए डॉ. महेश शुक्ला, डॉ. एससी राय, डॉ. गजानन, डॉ. जी.एल. तलवारे, सतना की डॉ. शारदा सोनी, भोपाल की अनीता पुरी, इलाहाबाद की निधि यादव प्रदीप सिंह, दमोह की डॉ. मुदिता श्रीवास्तव, डॉ. सुषमा पेंढारकर, डॉ. नंदिता, श्रीमती सीमा सिंह, डॉ. नीता ठाकुर, दीप लक्ष्मी चिले आदि ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। इस अवसर पर डॉ. आशुतोष दुबे, डॉ. प्रीति गुप्ता, डॉ. नीलेश पांडे, डॉ. दिनेश सिंह, डॉ. देवेन्द्र विश्वकर्मा, तरन्नुम, रेणुका नारिया, अर्चना सिंह, छवि रानी, अविनाश राय, डॉ. तृप्ति मांझी आदि उपस्थित रहे।

TheHitavada

JABALPUR ■ Tuesday ■ March 12 ■ 2019

Seminar on 'Increasing Socio-Cultural Collapse in India' inaugurated

Vice-Chancellor Professor Mishra addressing the national seminar. (Pic by N K Budhodi)

■ The national seminar was organised marking the third conference of Madhyanchal Sociological Society

■ Staff Reporter

PROFESSOR Kapil Dev Mishra, Vice-chancellor, Rani Durgavati University inaugurated the national seminar on 'Increasing Socio-Cultural Collapse in India' at Shaheed Smarak on Monday. The national seminar was organised marking the third conference of Madhyanchal Sociological Society which was attended by subject expert, Dr CSS Thakur, Head of Sociology Department, Dr Mahesh Shukla from Rewa and Dhruv Dixit.

Briefing about the seminar, Dhruv Dixit expressed concern over deteriorating cultural status of the Indian society. In lack of moral values, the society is encountering an infectious phase. Subject expert Dr Thakur expressed that Indian lifestyle is going through transformation phase due to difference in public opinion.

Vice-Chancellor, Professor Mishra blamed uprooting from present generation from ancient culture and tradition for moral deterioration. India is a country which taught the world how to develop character, positive attitude and moral values but in the modernisation era, Indians themselves became confused and have adopted different abnormalities going against the nature.

During second phase, a total of thirty-six candidates presented their research papers in presence of Dr S C Rai, Dr Gajanan, Dr G L Talware and other experts. The candidates through their research papers, disclosed about various transformations the Indian culture is presently going through.

Dr Mudita Shrivastava presided over the concluding ceremony during which Dr Suresh Rai presented the review of seminar. This was followed by release of a booklet at the hands of Vice-chancellor, Professor Mishra. The seminar was conducted by Secretary, Madhyanchal Sociological Society, Dr Dhruv Dixit. Other eminent persons who were present included Dr Ashutosh Dubey, Dr Preeti Gupta from Kesharwani College, Dr Neelesh Pandey from Hitkarini College, Dr Dinesh Singh from Vikramaditya College, Dr Devendra Vishwakarma and Dr Tripti Manjhi.

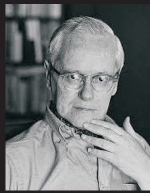

मध्यांचल सोशियोलॉजिकल सोसायटी
अकादमिक यात्रा